RNI Title-Code :- RAJBIL27027

www.nagaurdaily.com

नागौर डेली न्यूज

Email. nagaurdaily0@gmail.com

नागौर, कुचामनसिटी, डीडवाना, मकराना, परबतसर, जायल
मेड़तासिटी, खींवसर, डेगाना व नावां से एक साथ प्रकाशित

अहसास बदलाव का...

वर्ष: 1 | अंक 177 | नागौर, 28 मई, 2022 (शनिवार) | मूल्य 5 रुपया | पृष्ठ 4 | E-Edition

राजस्थान में देरी से आएगा मानसून

जयपुर.

राजस्थान में इस साल मानसून पिछले साल की तुलना में थोड़ा देरी से आ सकता है। इस साल केरल में मानसून की एंट्री में देरी की संभावनाओं को देखते हुए ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है। केरल में मौसम विभाग ने 27 मई तक मानसून आने का पूर्वानुमान लगाया था, लेकिन अभी थोड़ा वक्त और लगेगा। राजस्थान में भी मानसून आने में 22 दिन का वक्त और लग सकता है। संभावना है कि प्रदेश में 25 जून के बाद यह प्रवेश करेगा। ऐसे में पिछले साल की तुलना में 7 दिन की देरी से राज्य इसकी एंट्री होगी। जयपुर मौसम केन्द्र का कहना है कि पिछले साल परिस्थिति अच्छी होने के कारण मानसून औसत समय से पहले आ गया था।

इस बार परिस्थिति कैसी रहेगी ये तो आने वाला समय बताएगा, लेकिन केरल में जिस तरह परिस्थिति अभी है उसे देखकर लग रहा है कि थोड़ा वक्त लगेगा। हालांकि वहां प्री-मानसून की गतिविधियां शुरू हो गई है। पिछले कुछ दिनों से अच्छी बरसात हो रही है।

केरल में समय पर नहीं हुई एंट्री

2-3 दिन की हो सकती है देरी

मौसम केंद्र नई दिल्ली ने 13 मई को जब फोरकास्ट जारी किया था, तब केरल में मानसून के 27 मई को आने की संभावित तारीख घोषित की थी, लेकिन इस तारीख पर मानसून भारत में प्रवेश नहीं कर सका। अब मौसम केन्द्र ने शुक्रवार को नया फोरकास्ट जारी करते हुए केरल में अगले 2-3 दिन के अंदर मानसून के एंट्री होने की संभावना जताई है।

लेट होने के कारण

विशेषज्ञों ने बताया कि देरी के पीछे कारण हवा की स्थिति है। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से उत्तर की तरफ बढ़ने वाली हवा अब कम चल रही है, यही कारण है कि मानसून अब भी भारत की सीमा तक नहीं पहुंचा है और यह अभी भी करीब 100 किमी दूरी पर है। विशेषज्ञों का कहना है कि सतह से ऊपर हवा की स्थिति उत्तर की तरफ रहती है तो मानसून जल्दी और समय पर आने की संभावना ज्यादा रहती है।

सुस्त रह सकता है पहला माह

ज्योतिषाचार्य विनोद शास्त्री ने बताया कि इस साल नौतपा में जो स्थिति देखने को मिल रही है उसे देखकर संभावना जताई जा रही है कि इस बार मानसून का पहला महीना सुस्त रह सकता है। नौतपा के दोनों ही दिन प्रदेश में गर्म रहने के बजाए सामान्य रहे। दिन और रात का तापमान भी सामान्य से नीचे रहा। प्रदेश के कई शहरों में आंधी-बारिश और ओलावृष्टि हुई, जो ये संकेत देते है कि मानसून इस बार शुरुआत में थोड़ा सुस्त रह सकता है। ज्योतिषाचार्य के अनुसार शास्त्रों में नौतपा का एक-एक दिन मानसून के महीने के एक-एक पखवाड़े के समान होता है।

मंत्री के इस्तीफे की पेशकश पर बोले गहलोत

गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं, दबाव में आकर किया होगा कमेंट

जयपुर.

राजस्थान में कांग्रेस के लिए सब कुछ सामान्य नहीं दिखाई दे रहा है। भले ही इसे सामान्य बताने की कोशिश की जा रही हो लेकिन कहीं ना कहीं मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के लिए चुनौतिया लगातार बढ़ती जा रही हैं। इन सब के बीच गुरुवार को खेल मंत्री अशोक चांदना ने इस्तीफे की पेशकश कर दी थी। इसके बाद से राजस्थान की राजनीति में सरगर्मियां बढ़ गई हैं। अब इसी को लेकर अशोक गहलोत का भी बयान सामने आ गया है। अशोक गहलोत ने साफ तौर पर कहा कि दबाव में आकर उन्होंने ऐसा कमेंट किया होगा। इसे ज्यादा गंभीरता से लेने की आवश्यकता नहीं है। अपने बयान में अशोक गहलोत ने कहा कि काम के बहुत दबाव में है। हो सकता है कि उन्होंने तनाव में आकर बयान दिया हो। इसे गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है। मुझे उनसे बात करनी बाकी है। वहीं इसी मामले पर राजस्थान के मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि मुझे विश्वास है कि सीएम इस मामले पर बात करेंगे। अशोक चंदना के ट्वीट को गंभीरता से लेना पार्टी की जिम्मेदारी है। मैं चंदना से व्यक्तिगत रूप से बात करूंगा। आपको बता दें कि गुरुवार को राजस्थान के मंत्री अशोक चांदना ने ट्वीट कर अपने इस्तीफे की पेशकश की थी। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा था कि माननीय मुख्यमंत्री जी मेरा आपसे व्यक्तिगत अनुरोध है की मुझे इस ज़लालत भरे मंत्री पद से मुक्त कर मेरे सभी विभागों का चार्ज श्री कुलदीप रांका जी को दे दिया जाए, क्योंकि वैसे भी वो ही सभी विभागों के मंत्री है। धन्यवाद। दरअसल मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पंडित जवाहरलाल नेहरु की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचे थे। इसी दौरान उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया राजीव गांधी लेकर आए थे।

ड्रोन फेस्टिवल

पिछली सरकारों ने तकनीक को गरीब विरोधी बताया; अब यही उन्हें अपना हक दिला रहा : मोदी

नई दिल्ली.

दिल्ली के प्रगति मैदान में देश के सबसे बड़े ड्रोन महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत ड्रोन महोत्सव 2022 का उद्घाटन किया। इस दौरान पीएम ने कहा- पिछली सरकारों में तकनीक को समस्या का हिस्सा समझा गया, उसको गरीब विरोधी साबित करने की कोशिशें हुईं। इस वजह से 2014 से पहले गवर्नेंस में टेक्नोलॉजी के उपयोग को लेकर उदासीनता का माहौल रहा। इसका सबसे अधिक नुकसान गरीब, वंचितों, मिडिल क्लास को हुआ। मैंने केदारनाथ डेवलपमेंट प्रोजेक्ट पर ड्रोन से नजर रखी। अब यही तकनीक लाखों किसानों की मददगार बनेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि ड्रोन तकनीक को लेकर भारत में जो उत्साह देखने को मिल रहा है, वह अद्भुत है। यह भारत में ड्रोन सर्विस और ड्रोन आधारित इंडस्ट्री की लंबी छलांग को दर्शाता है। यह भारत में रोजगार के एक उभरते हुए बड़े सेक्टर की संभावनाएं दिखाती है। आज देश का किसान तकनीक के साथ कहीं ज्यादा सहज है, उसे ज्यादा से ज्यादा अपना रहा है।

ड्रोन तकनीक हमारे कृषि सेक्टर को अब दूसरे स्तर पर ले जाने वाली है। स्मार्ट तकनीक आधारित ड्रोन इसमें बहुत काम आ सकते हैं। पहले के समय में टेक्नोलॉजी और उससे हुए अविष्कार एलीट क्लास के लिए माने जाते थे। आज हम टेक्नोलॉजी को सबसे पहले जनता को उपलब्ध करा रहे हैं। ड्रोन तकनीक भी इसका उदाहरण है। हमने बहुत कम समय में ही ड्रोन पर लगने वाली पाबंदियां हटा दी है।

शाहरुख के बेटे को क्लीन चिट

चार्जशीट में आर्यन के खिलाफ न सबूत, न गवाह; अब समीर वानखेड़े पर कार्रवाई की तैयारी

मुंबई.

मुंबई के चर्चित कॉर्डेलिया क्रूज ड्रग्स केस में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने 6 हजार पेज की चार्जशीट स्पेशल एनडीपीएस कोर्ट में दायर की है। इसमें केस के सबसे बड़े आरोपी के रूप में पेश किए गए एक्टर शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को क्लीन चिट मिल गई है। इस मामले में आर्यन को 2 अक्टूबर को अरेस्ट किया गया था और उन्हें 26 दिन बाद उसे जमानत मिली थी। इस मामले में आर्यन सहित 19 लोग आरोपी थे। हालांकि, इस मामले में एनसीबी की साख पर उठे सवाल के बाद डीजी एस एन प्रधान मीडिया के सामने आये और कहा कि अभी जांच पूरी नहीं हुई है, सबूत मिले तो पूरक (सप्लीमेंट्री) चार्जशीट दयार की जाएगी। प्रधान ने यह भी कहा कि इस मामले में एनसीबी की पहली टीम(समीर वानखेड़े) ने जांच के दौरान कई लापरवाही बरती है। इसलिए दोषी पाए जाने पर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। डीजी एस एन प्रधान ने कहा अगर पहली जांच टीम से गलती नहीं होती तो एसआईटी जांच टेक ओवर क्यों करती कुछ तो कमियां रह गईं तभी तो एसआईटी ने केस लिया।

लद्दाख में सेना का वाहन नदी में गिरने से 7 जवानों की मौत

नई दिल्ली

लद्दाख में एक बड़ा हादसा हो गया। सेना का वाहन सड़क से फिसलकर श्योक नदी में गिर गया। इस हादसे में सेना के कम से कम सात जवान शहीद हो गए हैं। बाकी अन्य घायल बताए जा रहे हैं। अधिक गंभीर घायलों को वायु सेना की मदद से हायर सेंटर रेफर किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि वाहन करीब 50 से 60 फीट तक की गहराई में गिरा।

भारतीय सेना ने एक बयान में कहा है, 26 सैनिकों का एक दल परतापुर में ट्रांजिट कैंप से सब सेक्टर हनीफ में आगे की ओर बढ़ रहा था। वाहन सड़क से फिसल कर श्योक नदी में गिर गया, जिससे सभी लोग घायल हो गए। सभी 26 सैनिकों को सेना के एक फील्ड अस्पताल में पहुंचाया गया और लेह से सर्जिकल टीमों को परतापुर भेजा गया। बाद में सात जवानों ने दम तोड़ दिया।

क्या हुआ था जानिए....?

नुब्रा पुलिस स्टेशन के एसएचओ स्टैनज़िन दोरजे ने कहा, हादसा आज सुबह करीब 9 बजे हुआ, जिसमें सात सैनिकों की मौत हो गई है और 16 अन्य घायल हो गए। कहा कि यह एक निजी वाहन था जिसे सेना ने सोलिडर्स को फेरी लगाने के लिए किराए पर लिया था। वह सड़क से फिसलकर 80 फुट गहरी खाई में जा गिरा।

चालक की लापरवाही से हादसा

दोरजे ने आगे बताया कि घायल जवानों को इलाके के एक सैन्य अस्पताल में ले जाया गया है। उन्होंने कहा, प्रथम दृष्टया यह दुर्घटना का कारण चालक की लापरवाही का मामला प्रतीत होता है। भारतीय सेना ने कहा, यह सुनिश्चित करने के प्रयास चल रहे हैं कि घायलों को सर्वोत्तम इलाज दिया जाए। अधिक गंभीर घायलों को हाई सेंटर रेफर करने के लिए वायु सेना की भी मदद ली जा रही है।

हरियाणा के पूर्व सीएम चौटाला को 4 साल की कैद

चंडीगढ़.

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला को आय से अधिक संपत्ति के मामले में अदालत ने 4 साल की सजा सुनाई है। साथ ही 50 लाख रुपए का जुर्माना लगाया।

इसमें से 5 लाख रुपए सीबीआई को दिए जाएंगे। जुर्माना न भरने पर 6 महीने की सजा अतिरिक्त भुगतनी पड़ेगी। कोर्ट में बचाव पक्ष ने दिव्यांगता के आधार पर सहानुभूति रखने की दलील को स्वीकार नहीं किया। अदालत ने हेली रोड, पंचकूला, ,गुरुग्राम, असोला की संपत्तियां भी सीज करने के आदेश दिए।

सीबीआई के वकील अजय गुप्ता ने बताया कि आरोपी ने 10 दिन का समय दिया जाने की मांग की, ताकि मेडिकल रिपोर्ट करवाई जा सकें। परंतु कोर्ट ने कहा कि जो मेडिकल टेस्ट करवाने हैं, जेल में करवाए। सजा सुनाए जाने के बाद उन्हें कस्टडी में ले लिया गया। कोर्ट में उनके बेटे अभय चौटाला और पोते अर्जुन भी थे। अभय चौटाला ने कहा कि वे हाइकोर्ट जाएंगे। अभी वकीलों के साथ रायशुमारी करेंगे।

चौटाला के वकील की दलील

इससे पहले दिल्ली की राउज एवेन्यु कोर्ट में गुरुवार को सजा पर वकीलों की बहस के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। चौटाला की ओर से वकील ने अदालत में दलील दी है कि उनकी उम्र 87 साल है और लंबे समय से बीमार हैं। उनके पास 60 प्रतिशत दिव्यांगता का सर्टिफिकेट है, लेकिन अब वह 90 प्रतिशत दिव्यांग हो चुके हैं। स्वास्थ्य खराब रहता हैं और अपने कपड़े भी खुद बदल नहीं पाते। इससे पहले जेबीटी भर्ती मामले में जेल में सजा काट चुके हैं। जेल में रहते हुए 10वीं और 12वीं पास की है। वहीं, सीबीआई के वकील ने दलील दी है कि पूर्व सीएम को कम सजा देने से गलत संदेश जाएगा।

सम्पादकीय

हिंसा का मानस

अमेरिका में टेक्सास के एक प्राथमिक स्कूल में हुई गोलीबारी ने एक बार फिर इस बहस को ताजा कर दिया है कि आखिर ऐसी घटनाओं की वजह और इसके स्रोत क्या हैं और ये कैसे रुकेंगी! वहां कैसे हालात विकसित हुए हैं जिसमें एक महज अठारह साल का लड़का खुले बाजार से बंदूक खरीदता है, अपनी दादी को गोली मार देता है, फिर स्कूल में जाकर अंधाधुंध गोलियां बरसाने लगता है। उन्नीस बच्चों और दो अन्य वयस्कों के मारे जाने के बाद वह लड़का भी मारा गया। लेकिन दुखद यह है कि यह ठीक-ठीक पता लगाना मुश्किल है कि इस बेलगाम गोलीबारी का कारण क्या है! निश्चित रूप से यह प्रथम दृष्टया भी अपराध है और बचाव के क्रम में हुए मुठभेड़ में हमलावर मारा गया, मगर अमेरिकी सरकार और समाज के लिए यह सोचने का वक्त है कि ऐसे हमले आम क्यों होते जा रहे हैं। सवाल है कि अगर अपरिपक्व समझ वाला कोई युवक आसानी से कोई घातक बंदूक हासिल कर लेता है, तो क्या केवल यही यह बताने के लिए काफी नहीं है कि ऐसे हमले के पीछे क्या आधार होगा और इसके क्या हासिल होंगे?

ऐसा लगता है कि समाज और व्यवस्था के मामले में अमेरिका बहुस्तरीय चुनौतियों से जूझ रहा है। ठीक से युवावस्था में भी नहीं पहुंचा एक युवक संवेदना से इस कदर शून्य हो जाता है तो इसकी जड़ में क्या है? आखिर किन हालात में उसे आठ-दस साल के बच्चों तक को गोलियों से भून देने में कोई हिचक नहीं हुई? यह किसी छिपा नहीं है कि अमेरिका में किसी को भी घातक हथियार और खासतौर पर बंदूक किस तरह आम लोगों को भी आसानी से उपलब्ध हैं। यों कोई भी जानलेवा हथियार अगर लोगों के पास है या उन्हें बिना अड़चन के मिल जाते है, तो पहली चूक यहीं हो जाती है। एक तरफ आसानी से हासिल हो जाने वाले हथियार और दूसरी ओर बिना वजह के भी बेलगाम जाने वाले कुछ लोग। ऐसी स्थिति में अंजाम का अंदाजा लगाना बहुत मुश्किल नहीं होता है। सही है कि टेक्सास की ताजा घटना में गोलीबारी करने वाला लड़का कोई प्रतिनिधि उदाहरण नहीं है और सारे ऐसे लोग नहीं हैं। लेकिन सवाल है कि ऐसे कुछ लोग भी हैं और उन्हें बंदूक या घातक हथियार खुले बाजार में आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं, तो कैसे हालात पैदा होंगे!

हालत यह है कि अमेरिका में केवल इस साल अब तक ऐसी छोटी-बड़ी सत्ताईस घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिसमें एक सौ से ज्यादा लोगों की जान चुकी है। एक तरह से बंदूक संस्कृति के चलते ही बिना वजह लोगों को जान गंवानी पड़ती है। टेक्सास में गोलीबारी दरअसल ऐसी घटनाओं की एक कड़ी भर है। हाल ही में न्यूयार्क के बुफैलो में किराने की एक दुकान में बेवजह ही गोलीबारी करके दस अश्वेत लोगों की हत्या कर दी गई। यह बेवजह नहीं है कि अमेरिका में अक्सर ऐसी घटनाओं के सामने आने के संदर्भ में यह मांग की जाती रही है कि बंदूक संस्कृति को नियंत्रित किया जाए।

ताजा घटना के बाद खुद अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भी कहा कि हम बंदूकों की बिक्री का समर्थन करने वालों के खिलाफ कब खड़े होंगे! सवाल है कि अगर अमेरिका में हथियार रखने को लेकर कोई सख्ती या पाबंदी नहीं है तो इनके जरिए होने वाले हमलों से लोगों को बचाने की क्या व्यवस्था है? सच यह है कि अमेरिका और वहां के समाज ने बंदूक रखने की संस्कृति से गंवाया बहुत कुछ है, लेकिन अब तक सकारात्मक कुछ भी हासिल नहीं किया है।

बदलता नजरिया, संवरती जिंदगी

महाराष्ट्र सरकार ने विधवाओं के लिए चली आ रही रूढ़िवादी परंपरा को समाप्त कर बीते दिनों एक प्रगतिशील कदम उठाया है। इक्कीसवीं सदी के भारत में जब मूल्यों और नैतिकता की बात हर क्षण होती हो, तब समाज में विधवा प्रथा को ढोने की बिल्कुल जरूरत नहीं है। संविधान में महिला और पुरुष को समान अधिकार प्राप्त हैं, इसके बावजूद समाज में धार्मिक-सामाजिक प्रथाओं के नाम पर महिलाओं पर पाबंदी लगाने संबंधी अनेक कुरीतियां विद्यमान हैं। अब इन्हें खत्म करने की जरूरत है। स्त्री मुक्ति और उनके अधिकारों के लिए लड़ाई राजा राममोहन राय ने उन्नीसवीं सदी में ही शुरू कर दी थी। मगर आज भी स्त्री उपेक्षिता आखिर क्यों है? इसी को ध्यान में रखते हुए अब महाराष्ट्र में विधवा महिलाओं को चूड़ी तोड़ने, माथे से सिंदूर पोंछने और मंगलसूत्र उतारने की प्रथा नहीं निभानी होगी। कोल्हापुर की हेवरवाड़ा ग्राम पंचायत में विधवाओं के लिए इस अमानवीय प्रथा को समाप्त करने का निर्णय लिया है। परिवर्तन प्रकृति का नियम है। ऐसे में मानव समाज भी परिवर्तन को स्वीकार न करे तो मानव के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिह्न लगना स्वभाविक है। ऐसे में बदलावों को सहजता के साथ स्वीकार किया जाना चाहिए। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि विधवाओं के प्रति समाज का नजरिया बदल रहा है। वर्तमान तक आते-आते बहुत कुछ बदला है। ससुराल में विधवाओं को ज्यादा अधिकार मिलने लगे, पुनर्विवाह भी होने लगे और इस दिशा में एक नई बयार चलती दिखाई देने लगी।

इन बदलती परिस्थितियों के बीच भी अभी भारतीय समाज में तकरीबन सात करोड़ विधवाएं हैं। ये विधवाएं मथुरा, वृंदावन, काशी और बनारस जैसी जगहों में अपनी जिंदगी के बाकी दिन काटती देखी जा सकती हैं, जिनकी कोई पहचान नहीं होती। इसलिए राजनीतिक दल भी इन्हें अपना वोट बैंक नहीं मानते। इनके लिए कभी कोई व्यापक आंदोलन भी खड़ा नहीं होता। विधवाओं को लेकर सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर सोच बदल रही है। उम्मीद की जा सकती है कि यह बदलाव कुछ परिवारों और कुछ समाजों तक ही सीमित नहीं होगा, व्यापक स्तर पर दिखाई देगा। कुछ समाजों में तो विधवा-विधुर परिचय सम्मेलन भी होने लगे हैं। जब ऐसे कदम उठेंगे, तभी विधवाओं को भी अपना जीवन जीने का हक मिल पाएगा। समाज में अक्सर एक बात कही जाती है कि बहू, बेटी की तरह होती है। बेटी तो शादी के बाद विदा हो जाती है, पर बहू घर में ही रहती है। लेकिन, कई बार हालात ऐसे हो जाते हैं, जब घर की रौनक रहने वाली बहू का शृंगार उतर जाता है। कपड़ों की रंगीनियत उतर जाती है और उसकी जगह उसे वैधव्य का चोला पहनना पड़ता है। जीवन का यह बेहद त्रासद सच होता है। फिर भी जीवन तो जीना ही है। जब परिवार और समाज जीवन का यह दर्द बांट लेता है, तो जीवन आसान हो जाता है। कुछ साल पहले तक यह सोचना भी मुश्किल था, पर अब समाज की परंपराएं दरक रही हैं। मान्यताएं ध्वस्त होने लगी और विधवाओं का दर्द बांटा जाने लगा है। अब उनकी भी शादियां होने लगी हैं, ताकि वे नया जीवन शुरू कर सकें।

मध्यप्रदेश के धार में इसी अखातीज पर एक परिवार ने सामाजिक वर्जनाओं को जिस तरह खंडित किया, वह समाज के बदलते सोच का जीवंत उदाहरण है। ससुराल में बहू को बेटी की तरह सम्मान मिलना चाहिए, इस बात की मिसाल धार के इस परिवार में देखी गई। उन्होंने कोरोना काल में अपने बेटे को खो दिया था। यह ऐसा दर्द था, जिसकी भरपाई आसान नहीं थी। मगर, बेटे की मौत के बाद भी सास-ससुर ने बहू को बेटी की तरह रखा। बेटे-बहू की एक बेटी भी थी। काफी विचार-विमर्श के बाद तय किया गया कि विधवा बहू का पुनर्विवाह किया जाए। उस परिवार ने इसी अक्षय तृतीया के दिन अपनी विधवा बहू की दूसरी शादी करवाई और उसे बेटी की तरह विदा किया। उन्होंने शादी में उपहार के तौर पर अपनी बहू को साठ लाख रुपए का घर भी दिया। यह कोई मनगढ़ंत कहानी नहीं, सच्ची घटना है, जिसके कई लोग गवाह हैं। धार शहर के प्रकाश नगर में रहने वाले युगप्रकाश स्टेट बैंक से सेवानिवृत्त एजीएम हैं। कोरोना की दूसरी लहर में उन्होंने अपने बेटे को खो दिया था। इसके बाद उन्होंने किसी तरह खुद को और परिवार को संभाला। फिर उन्हें विधवा बहू के भविष्य की चिंता भी सताने लगी थी। उन्होंने बहू की दूसरी शादी करने का सोचा, लेकिन बहू राजी नहीं हुई। बहुत समझाया तो उसने दूसरी शादी के लिए हामी भर दी। कुछ दिनों बाद नागपुर के रहने वाले एक युवक के साथ उसका रिश्ता पक्का हो गया। फिर इस आखातीज पर शादी भी हो गई। बेटी भी अपनी मां के साथ नए परिवार में बसने नागपुर चली गई। उसके पूर्व पति भोपाल की एक कंपनी में

सीनियर साफ्टवेयर इंजीनियर थे। उनके निधन के बाद बहू को कंपनी ने नौकरी दे दी। सास-ससुर ने बेटे द्वारा नागपुर में खरीदा घर भी बहू को उपहार में दे दिया। ऐसी और इस तरह की अन्य घटनाएं बताती हैं कि अब बहू के प्रति ससुराल की सोच बदलने लगी है। अब उसके लिए सफेद लिबास हमेशा का पहनावा नहीं रहा। धीरे-धीरे ऐसी सामाजिक सोच पनपने लगी है, जब विधवाओं के पुनर्विवाह होने लगे। कुछ समाजों में बकायदा विधवा-विधुर विवाहों के परिचय सम्मेलन भी आयोजित होने लगे। जबकि, एक समय ऐसा था, जब इस तरह की बातें करना भी पाप समझा जाता था। समाज में आई इस चेतना ने अहसास करा दिया कि विधवा होना एक हादसा है, जिसे जीवन भर नहीं भोगा जा सकता। हां, इन बदलती परिस्थितियों के बीच भी अभी भारतीय समाज में तकरीबन सात करोड़ विधवाएं हैं। ये विधवाएं मथुरा, वृंदावन, काशी और बनारस जैसी जगहों में अपनी जिंदगी के बाकी दिन काटती देखी जा सकती हैं, जिनकी कोई पहचान नहीं होती। इसलिए राजनीतिक दल भी इन्हें अपना वोट बैंक नहीं मानते। इनके लिए कभी कोई व्यापक आंदोलन भी खड़ा नहीं होता। विधवाओं के दर्द को समझने के लिए पहली बार देश में आजादी के बाद 1995 में मार्टी चेन और ज्यां द्रेज ने बड़ा शोध किया। उन्होंने अपने शोध के परिणामों को बांटने के लिए एक बड़ी कार्यशाला का आयोजन भी किया था, जिसमें देश के विभिन्न इलाकों की विधवाओं ने हिस्सा लिया। कई विधवाओं ने बताया कि हालांकि कानून के आधार पर उन्हें अपने दिवंगत पतियों की और अपने मां-बाप द्वारा उन्हें दी गई जमीन का मालिक बनने का अधिकार है, पर इससे अक्सर उन्हें वंचित रखा जाता है। यहां तक कि कई बार परिस्थितियां ऐसी निर्मित होती हैं कि उन्हें 'चुड़ैल' घोषित कर दिया जाता है और कई बार उनकी जान भी ले ली जाती है। यह सब उस लोकतांत्रिक परिवेश में होता है, जहां विधि के समक्ष समानता और निर्बाध जीवन जीने की स्वतंत्रता संविधान सभी को मुहैया कराता है। फिर चाहें वह स्त्री हो या पुरुष। हिंदू मान्यताओं के अनुसार अर्धनारीश्वर रूप से तो सभी परिचित हैं। जहां शिव पुरुष और पार्वती स्त्री का प्रतिनिधित्व करती हैं और यह स्वरूप कहीं न कहीं यह दर्शाता है कि दोनों के बिना यह सृष्टि और संसार अधूरा है। फिर स्त्री के प्रति इतनी घृणा का भाव समाज में कहां से आता है? स्त्री चाहे विवाहित हो या विधवा, उसका समाज में स्थान कोई छीन नहीं सकता।

आज का राशिफल

मेष

पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी।

वृषभ

वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। दूसरे आपसे अधिक की अपेक्षा करेंगे व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

मिथुन

प्रयास सफल रहेंगे। पराक्रम वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। आय में वृद्धि होगी। जल्दबाजी न करें।

कर्क

दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। घर में अतिथियों का आगमन होगा। प्रसन्नता तथा उत्साह बने रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा।

सिंह

अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नौकरी में अधिकार वृद्धि हो सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेश मनोनुकूल रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण बनेगा। किसी कार्य के प्रति चिंता रहेगी।

कन्या

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। विवाद से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति की बातों में न आएं। व्यवसाय ठीक चलेगा।

तुला

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। कोई बड़ा काम करने की इच्छा जागृत होगी।

वृश्चिक

नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। मान-सम्मान मिलेगा। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड इत्यादि से लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें।

धनु

धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल लाभ देंगे। किसी बड़े काम की रुकावट दूर होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

मकर

यात्रा में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट संभव है। पुराना रोग उभर सकता है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। हंसी-मजाक में हल्कापन न हो, ध्यान रखें। कीमती वस्तुएं इधर-उधर हो सकती हैं, संभालकर रखें।

कुंभ

धनहानि की आशंका है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। थकान व कमजोरी रह सकती है। व्यापार व व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी।

मीन

स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। रोजगार में वृद्धि होगी। आय के नए साधन प्राप्त हो सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। जीवन सुखमय व्यतीत होगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। स्वास्थ्य में राहत मिलेगी।

व्यापार समाचार

एयरलाइन्स की सर्विस से नाखुश लोग

79 प्रतिशत का मानना एयरलाइन कंपनियां कंफर्ट से समझौता कर रहीं, फ्लाइट में देरी की सबसे ज्यादा शिकायतें

नई दिल्ली।

भारत में हवाई सफर करने वाले पैसेंजर एयरलाइन से मिलने वाली सर्विस से खुश नहीं हैं। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक कंज्यूमर सर्विस और एयरलाइन के स्टाफ का व्यवहार भी कोविड-19 के बाद बुरा हो गया है। लोकल सर्कल के सर्वे के मुताबिक 15,000 एयरलाइन पैसेंजर में से लगभग 79% का मानना है कि भारत में एयरलाइन कंपनियां पैसेंजर के कंफर्ट से समझौता कर रही हैं और महामारी का बहाना बनाकर जिम्मेदारी से बच रही हैं।

एयरक्राफ्ट के खराब इंटीरियर की भी शिकायतें : सर्वे में हिस्सा लेने वाले लोगों ने सबसे खराब सर्विस स्पाइसजेट लिमिटेड की बताई, इसके बाद देश की सबसे बड़ी 55% मार्केट शेयर वाली एयरलाइन इंडिगो रही। सभी एयरलाइन्स की शिकायतों में उड़ान में देरी,

घटिया इन-फ्लाइट सर्विस, खराब बोर्डिंग प्रोसेस और एयरक्राफ्ट के खराब इंटीरियर का होना बताया गया है।

एयरलाइन कंपनियों ने पैसेंजर से बुरा बर्ताव भी किया : हाल ही में एक हाई-प्रोफाइल घटना में, इंडिगो ने एक विकलांग किशोर को फ्लाइट में चढ़ने से रोक दिया और कहा कि यह लड़का गड़बड़ी कर रहा है, जिससे सेफ्टी के लिए खतरा पैदा हो सकता है। भारत के एविएशन रेगुलेटर ने इस मामले की जांच शुरू की, जिसमें पाया गया कि इंडिगो नियमों का पालन नहीं कर रहा था और उसके कर्मचारियों ने पैसेंजर को अनुचित तरीके से हैंडल किया। इस पर जांच जारी है।

गेट बंद होने से पैसेंजर की एंट्री रोकी : हाल ही में एक वायरल वीडियो भी सामने आ चुका है जिसमें एक महिला को पैनिक अटैक आ गया। इसके पीछे की वजह एअर इंडिया महिला को यह कहते हुए बोर्डिंग से रोका गया कि वह गेट बंद होने के बाद आई थी। स्पाइसजेट ने अपनी सफाई में कहा कि वह ग्राहकों के एक्सपीरिएंस को बेहतर बनाने के लिए ऑटोमेशन, टेक्नोलॉजी और सस्टेनबिलिटी को प्रायोरिटी दे रही है। इंडिगो ने कहा कि यह ग्राहकों को कॉन्टैक्ट लेस ट्रैवल एक्सपीरिएंस देने के लिए डिजिटलीकरण पर भी फोकस कर रही है।

एक्सिस बैंक ने बढ़ाए चार्ज, मिनिमम बैलेंस नहीं रखा तो देनी होगी तगड़ी फीस

नई दिल्ली।

प्राइवेट सेक्टर के एक्सिस बैंक के ग्राहकों के लिए जरूरी खबर है। बैंक ने एक जून से सेविंग अकाउंट और सैलरी अकाउंट्स पर बैंकिंग और नॉन बैंकिंग सर्विस चार्ज बढ़ा दिया है। इसमें अकाउंट में मिनिमम बैलेंस मेंटेन नहीं करने का चार्ज भी शामिल है। कस्बों और ग्रामीण इलाकों में मासिक न्यूनतम बैलेंस 15,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये कर दिया गया है। एनएसीएच के तहत ऑटो डेबिट फेल होने पर लगने वाला चार्ज भी बढ़ा दिया गया है। यह एक जुलाई से लागू होगा। साथ ही एडिशनल चेक बुक पर भी चार्ज लगाया जाएगा। बैंक ने एक नोटिफिकेशन में यह जानकारी दी। बढ़े हुए कुछ चार्ज एक जून से लागू होंगें जबकि कुछ पर एक जुलाई से अमल होगा। प्राइम और लिबर्टी अकाउंट प्रोग्राम के तहत सभी तरह के सेविंग्स और सैलरी अकाउंट्स में एवरेज मंथली बैलेंस बढ़ाया गया है। कस्बों और शहरी इलाकों के लिए इसे 15,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये कर दिया गया

है। लिबर्टी सेविंग अकाउंट में भी इतनी ही बढ़ोतरी की गई है।

मिनिमम बैलेंस नहीं रखने पर फीस : ईजी एंड इक्विवेलेंट, प्राइम, लिबर्टी, कृषि, फार्मर, सीनियर प्रिविलेज और प्रीमियम सेगमेंट्स में घरेलू और नॉन-रेजिडेंट अकाउंट्स पर मिनिमम बैलंस नहीं रखने पर मंथली सर्विस फीस बढ़ाई गई है। मंथली सर्विस फीस को बढ़ाकर एवरेज मंथली बैलेंस रिक्वायरमेंट का 7.5 फीसदी कर दिया गया है। मिनिमम बैलेंस मेंटेन नहीं करने पर अब मेट्रो शहरों में 500 रुपये के बजाय 600 रुपये का चार्ज लगेगा। कस्बों में इसे 300 रुपये और गांवों में 250 रुपये कर दिया गया है। एनएसीएच की फीस को रिवाइज करके 500 रुपये कर दिया गया है।

ओला को बैटरी, इलेक्ट्रिक कार कारखाने स्थापित करने के लिए जमीन की तलाश

नई दिल्ली।

वाहन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ओला इलेक्ट्रिक को बैटरी (सेल) और इलेक्ट्रिक कार कारखाने स्थापित करने के लिए जमीन की तलाश है और वह इस संबंध में कई राज्यों के साथ बातचीत कर रही है। सूत्रों ने बताया कि ओला इलेक्ट्रिक को अपनी सेल गीगाफैक्टरी और इलेक्ट्रिक कार फैक्टरी स्थापित करने के लिए 1,000 एकड़ जमीन की जरूरत है।

इसमें 10,000 करोड़ रुपये के निवेश की उम्मीद है। मामले से जुड़े सूत्रों ने कहा कि कुछ राज्यों की पहले से ही इस निवेश को अपने यहां लाने पर नजर है। ओला इलेक्ट्रिक चार पहिया वाहन परियोजना को लेकर गंभीर है और कुछ 'कॉन्सेप्ट' डिजाइन लगभग तैयार हैं।

उन्होंने कहा कि कंपनी भूमि अधिग्रहण के लिए उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, तमिलनाडु और तेलंगाना की सरकारों के साथ बातचीत कर रही है। सूत्रों ने आगे कहा कि कंपनी अगले महीने की शुरुआत में इसे अंतिम रूप दे सकती है। ओला के पास पहले ही तमिलनाडु के कृष्णागिरी में 500 एकड़ जमीन है, जहां उसने फ्यूचरफैक्ट्री की स्थापना की है, जो दुनिया की सबसे बड़ी दोपहिया वाहन कारखाना है।

मकराना जिला बनाओं अभियान के दूसरे चरण में कांग्रेस जिलाध्यक्ष गैसावत से मिला प्रतिनिधिमंडल

मोहम्मद शहजाद

मकराना(नागौर डेली न्यूज)। मकराना के सर्व संगठनों व सर्व समाज ने मकराना जिला बनाओं अभियान के दूसरे चरण में मकराना विकास समिति के प्रतिनिधिमंडल ने पूर्व विधायक व नागौर कांग्रेस जिलाध्यक्ष जाकिर हुसैन गेसावत से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने सर्व संगठनों व विभिन्न जन प्रतिनिधियो द्वारा मकराना उपखंड अधिकारी को मकराना को जिला बनाने की मुहिम के तहत जो ऐतिहासिक 106 ज्ञापन दिये गये थे, जिनमें मकराना को जिला बनाने की मांग के सम्बन्ध में सारे तर्क, सारे आंकड़ों के साथ विश्व विख्यात मार्बल नगरी मकराना को नया जिला बनाने की मांग की गई थी। उन 106 ज्ञापनो का एक सेट जाकिर हुसैन गैसावत को सौंपकर गैसावत से मकराना को जिला बनाने के लिए शासन प्रशासन के समक्ष पुरी ताकत से प्रयास करने की मांग की। प्रतिनिधि मंडल ने पूर्व विधायक जाकिर हुसैन गेसावत के द्वारा मकराना के विकास के लिये सरकार द्वारा लाई गई विभिन्न सौगातो व विकास कार्यो की प्रशंसा करते हुए गैसावत से कहा कि मकराना को जिला बनाने में सरकार के समक्ष सबसे महत्वपूर्ण भुमिका उनकी रहेगी। इसलिए जनता गैसावत से जिला बनाने के लिए अथक प्रयासों की उम्मीद करती है।

कोई कसर नहीं छोड़ेंगे : गैसावत

पूर्व विधायक गैसावत ने मकराना विकास समिति के सदस्यों को विश्वास दिलाया कि वह अपनी संपूर्ण शक्ति लगाते हुए मकराना को जिला बनाने मैं कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे। इस दौरान मकराना विकास समिति अध्यक्ष नितेश जैन, उपाध्यक्ष अब्दुल अजीज गहलोत, सचिव हाफिज रियाज गेसावत, श्यामसुंदर स्वामी, सजाऊदीन उर्फ लाडू जी गैसावत, दिलीप सिंह दिलढाणी, रामस्वरूप सोलंकी, रणजीतसिंह राजपुरोहित, सलीम उस्ता, एडवोकेट दिनेश सोनी, बजरंग सिंह मंडोवरी, कमल कंकानी, रणवीर सिंह बांसडा, सूरजमल बड़त्या, सीए राजीव सोलंकी, पूरणमल सुरेश कुमावत, रामबाबू अग्रवाल, अनवर गहलोत, जोन्टी गैसावत, बद्री प्रसाद प्रजापत, जिशान गैसावत, प्रेम सुख, सैफ अली आदी उपस्थित रहे।

कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ शिक्षकों का हल्ला बोल

उपखण्ड कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

सद्दाम रंगरेज

कुचामनसिटी(नागौर डेली न्यूज) : अखिल भारतीय सयुंक्त कर्मचारी महासंघ के आह्वान पर कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत के जिला मन्त्री प्रेम सिंह चौधरी के नेतृत्व में शुक्रवार को उपखण्ड कार्यालय कुचामनसिटी पर विरोध प्रर्दशन कर तहसीलदार कुलदीपसिंह के मार्फ़त प्रधानमंत्री भारत सरकार व मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार को ज्ञापन सौंपा गया। मंत्रालयिक नेता ज्ञाना राम कड़वा ने बताया कि कर्मचारियों की वाजिब माँगो रद्द करें और मद में काटी गई राशि वापस करने, संविदा कर्मियों को नियमित करने, संविदा पर नियुक्ति बंद करने, समस्त खाली पद नियमित नियुक्ति से भरने, नये पद सृजित करने, निजीकरण पर रोक लगाने, विनिवेश के नाम पर सार्वजनिक संपदा बेचना बंद करने जैसी मांगे को लेकर कर्मचारी महासंघ लगातार संघर्षरत हैं लेकिन भारत व राजस्थान सरकार कोई सुनवाई नहीं कर रही हैं जिससे कर्मचारी वर्ग में भयंकर आक्रोश है।

विरोध प्रर्दशन में उपस्थित शिक्षक संघ ब्लॉक मन्त्री मोहम्मद शकील, रमेश शर्मा, संविदाकर्मी मुकेश शर्मा, परमेश्वर दायमा, सतीश गोड़, कल्याण स्वामी, दुर्गाप्रसाद शर्मा, तनसुख, दिवान चन्द, भागीरथ राम, प्रेमराज । मंत्रालयिक कार्मिक रणजीत सिंह, सुरेश चौधरी, भवानी सिंह, बन्नाराम, आर आई शिवराज सिंह, ग्राम विकास अधिकारी नदीम अहमद आदि कार्मिको ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि कार्मिको की वाजिब मांगो का शीघ्र समाधान करें नही तो राजस्थान का कार्मिक उग्र आन्दोलन के लिए मजबूर होंगा जिसकी समस्त ज़िम्मेदारी सरकार की होंगी।

हुड्डा प्राईवेट स्कूल एसोसिएशन संघ के अध्यक्ष

कामरान को सर्वसम्मति से सचिव की जिम्मेदारी सौंपी

अबूबकर बल्खी

लाडनूँ(नागौर डेली न्यूज) : शुक्रवार को आस्था पब्लिक स्कूल खण्डेलवाल भवन ग्राम लैडी में लाडनूँ तहसील की 167 प्राइवेट स्कूल संचालकों ने पूर्व कमेटी का कार्यकाल पूर्ण होने पर सर्वसम्मति से एशोसिएशन के नए पदाधिकारी चुनते हुए संगठन की नई कार्यकारिणी का गठन किया है। तहसील के निजी स्कूल संचालको ने सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद पर केसाराम हुड्डा, सचिव कामरान बड़गुजर एंव कन्हैयालाल लोहिया को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है। नई कार्यकारिणी के गठन से पूर्व संघ के पूर्व अध्यक्ष अंजनी कुमार ने अपने कार्यकाल के दौरान सभी को सहयोग देने के लिए आभार व्यक्त किया तथा पूर्व कोषाध्यक्ष गोविंद सिंह चम्पावत ने अपने हिसाब का लेखा जोखा प्रस्तुत किया। इसके बाद सभी ने एक राय होकर निर्विरोध रूप से

संगठन अध्यक्ष की जिम्मेदारी केसाराम हुड्डा को सौंपी। वंही कामरान बड़गुर्जर को सचिव का कार्यभार सौंपा है। संगठन की जिम्मेदारी मिलने के बाद गुलाब सिंह शेखावत, भंवरलाल मील, रिछपाल गोदारा, मुराद खान बेरी, इंसाफ खान, अख्तर हुसैन, जलालुद्दीन सोलंकी, यूसुफ खान, लियाकत खान, सैय्यद इरफान, सैय्यद आसिफ, शरीफ तंवर, रिजवान अली, रणजीत खान, गिरधारी इनानिया, फरमान, इमरान आदि ने साफा व माला पहनाकर पदाधिकारियों का स्वागत सम्मान किया। अध्यक्ष हुड्डा ने सभी स्कूल संचालकों का इस जिम्मेदारी के लिए आभार व्यक्त किया व आपस मे मिलजुलकर संगठन हित मे निजी स्कूल संचालकों के लिए कार्यालय के लिए जमीन आवंटन व संघ का रजिस्ट्रेशन करवाने एंव कार्यकारिणी का शीघ्र विस्तार करने सहित संघ के हित मे नित नए सौपान गढ़ने का आश्वासन दिलाया है।

31 मई तक करा सकेंगे हजयात्रा की तीसरी व आखिरी किस्त जमा

हजयात्रा 2022 की वेटिंग लिस्ट क्लीयर, प्रतीक्षा सूची वाले सभी 431 हजयात्री जायेंगे मुकद्दस सफर हज पर

सद्दाम रंगरेज

कुचामनसिटी(नागौर डेली न्यूज) : हजयात्रा 2022 के सभी चयनित हजयात्रियों को अब उनकी हजयात्रा की तीसरी व आखिरी किस्त की राशि 31मई 2022 तक जमा करवानी होगी। मुस्लिम एज्यूकेशनल एण्ड वेलफेयर सोसायटी के सदर मोहम्मद शकील ने बताया कि केन्द्रीय व स्टेट हज कमेटी से मिली जानकारी के अनुसार जिन हजयात्रियों का चयन हजयात्रा 2022 के लिए हुआ है उनको अपनी हजयात्रा की तीसरी व आखिरी किस्त की रकम 187800 रूपये व जिन हजयात्रियों ने अपने आवेदन पत्र में कुर्बानी की अदायगी के विकल्प में यस भरा है उन्हें कुर्बानी की रकम के 16747 रूपये प्रति हजयात्री अलग से इस तरह कुल रकम 204547 रुपये प्रति हजयात्री हज कमेटी ऑफ इण्डिया के बैंक खाते में भारतीय स्टेट बैंक अथवा यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया की किसी भी शाखा में 31 मई तक जमा करवाना है। सोसायटी के सेक्रेटरी अकीक अहमद ने बताया कि स्टेट हज कमेटी से मिली जानकारी के अनुसार राजस्थान की हजयात्रा की वेंटिग लिस्ट क्लीयर होने से वेंटिग लिस्ट में शेष रहे सभी 431 आवेदकों का चयन होने के बाद हजयात्रा 2022 के लिए आवेदन करने वाले सभी राजस्थान के हजयात्रियों को हज का मुकद्दस सफर करने का मौका मिल गया है। वेंटिग लिस्ट के शेष रहे चयनित आवेदकों को एक मुश्त राशि 388800 रुपये प्रति हजयात्री की रकम हज कमेटी ऑफ इण्डिया के बैंक खाते में 30 मई तक जमा करवानी होगी।

सुनारी रोड़ स्थित शराब ठेके का किया घेराव

महिला व पुरुषों ने किया विरोध प्रदर्शन

अबूबकर बल्खी

लाडनूँ (नागौर डेली न्यूज). यहां सुनारी रोड स्थित श्मशान भूमि के पास खोले गए शराब ठेके के विरोध में शुक्रवार की नमाज के बाद बड़ी संख्या में महिलाओं एवं पुरुषों ने शराब की दुकान का घेराव किया और शटर बंद कर विरोध जताया। इस प्रकार लोगों के भारी विरोध के बीच थानाधिकारी राजेन्द्र सिंह कमांडो ने मय जाप्ता मौके पर पहुंच कर उनसे समझाईश की। प्रतिनिधिमंडल ने उपखंड कार्यालय पहुंचकर एसडीएम अनिल कुमार को ज्ञापन देकर शराब ठेका बंद करने की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि शराब ठेका श्मशान भूमि की ही दुकान में संचालित किया जा रहा है। इससे मात्र 50 मीटर की दूरी पर सामुदायिक भवन और 100 मीटर की दूरी पर बालिका विद्यालय है। करीब 200 मीटर की दूरी के भीतर ईदगाह और करीब 250 मंदिर-मस्जिद है। इन सबमें आने जाने वालों को, स्कूली बच्चों व राहगीरों को परेशानी होती है। यहां शराब ठेके पर आए दिन लड़ाई झगड़े होने व टूटी कांच की बोतलें बिखरी होने से मौहल्ले वासियों में भय का माहौल है। ठेके को आबादी स्थल से हटा कर अन्य किसी स्थान पर लगाए जाने की मांग की गई है। इस दौरान सीआई कमांडो ने पुलिस थाने बुलाकर विरोध करने वालों से समझाईश की व आबकारी अधिकारियों ने ठेके की लोकेशन देख कर अन्यत्र शिफ्ट करवाने का आश्वासन दिया।

परबतसर में स्कूली छात्रा से गैंगरेप

जुगल किशोर शर्मा

परबतसर(नागौर डेली न्यूज) = एक स्कूली छात्रा ने पुलिस थाने में 4 जनों के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया है । पीड़िता अपने चाचा के साथ थाने में उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज करवाई की वह 23 अप्रैल को वह कक्षा 12वी की परीक्षा देने रोहएंडी गांव आई थी। मेरा परीक्षा सेंटर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रोहण्डी में परीक्षा देने के बाद मेरे भाई रामनिवास के साथ मोटरसाइकिल पर बैठकर परबतसर आ गई । परबतसर में मुझे रामचंद्र जाट निवासी अमरपुरा थाना रूपनगढ़ बस स्टेशन पर मिला। इसके बाद में और मेरे भाई तथा रामचंद्र तीनों ने होटल में बैठकर कचौरी खाई तथा जूस पिया ।

उसके बाद रामचंद्र ने मेरे भाई को पेट्रोल भरवाने भेज दिया तथा मुझे रूपनगढ़ चलने को कहा मैं उसके साथ बैठकर रूपनगढ़ चली गई । वहां गोपाल गुर्जर , कैलाश गुर्जर तथा सुरेन्द्र वहां मौजूद थे ।जिनके पास स्कार्पियो गाड़ी थी । वहां गाड़ी में बैठने के बाद रामचंद्र ने मुझे जूस में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया, जिससे में बेहोश हो गई । सभी ने मेरे साथ बारी बारी से दुष्कर्म किया। वहां से मुझे जयपुर तथा हरियाणा से जाकर मेरे साथ लगातार दुष्कर्म कर अश्लील वीडियो क्लिप बना ली तथा वहां रामचंद्र ने मुझे डराया - धमकाया। वहीं पीछे से स्कूली छात्रा घर नहीं पहुंचने पर परिजनों पर गुमशुदगी रिपोर्ट थाने में दर्ज करवाई ।

पीह में 'एक शाम गौ माता के नाम' भजन संध्या आज

जुगल दायमा

हरसौर(नागौर डेली न्यूज) : ग्राम पीह की गुरुदेव परमार्थ गौशाला में शनिवार रात 8:15 बजे 'एक शाम गौ माता के नाम' रंगारंग भजन संध्या का आयोजन होगा। सरपंच अमरचंद जाजड़ा ने बताया कि गौ हितार्थ आयोजित होने वाले कार्यक्रम में डॉ. ओम मुंडेल डिगरना एंड पार्टी मनमोहक भजनों की प्रस्तुतियां देगी। कार्यक्रम को लेकर तैयारियां पूरी की जा चुकी है। कार्यक्रम में आसपास के ग्रामीण अंचल से बड़ी संख्या में लोग आएंगे।

विश्व शान्ति व अच्छे जमाने की कामना को लेकर खेण से ऋषिकेश-हरिद्वार जत्था रवाना

अ.रहमान देवड़ा

मूण्डवा (नागौर डेली न्यूज)। मूंडवा-तहसील के निकटवर्ती खेण गाव से शुक्रवार को कृष्ण मन्दिर व सन्त बारहपुरी महाराज के धूणा पर धोक लगाकर पचास सदस्यों का जत्था विश्व शान्ति व अच्छे जमाने की कामना को लेकर ऋषिकेश-हरिद्वार के लिए रवाना हुआ। जत्था बाड़मेर ऋषिकेश रेल से शनिवार को हरिद्वार पहुचेगा व गगा में पवित्र स्नान कर ऋषिकेश जायेगा । दो दिन ऋषिकेश रूककर मुरलीधर महाराज की राम कथा का श्रवण करेगा वह पुण्य लाभ प्राप्त करेगा। विभिन्न मंदिरों के दर्शन कर व मा गगा से विश्व शान्ति की कामना करेगा सोमवती अमावस्या को गगा में पवित्र स्नान कर मगलवार को वापस खेण नागौर आयेगा।

सौ सदस्यों में खेण के साथ ही दल में नागौर चेनार व आसपास गाव के पचास और सदस्य हैं। दल में खेण से श्रीराम वैष्णव चिमनाराम ईनाणिया रिटायर्ड व्याख्याता राधाकिशन, रामदेव, रामनिवास ठेकेदार, भवरलाल, ओकारराम, गोविन्दसिह कविया, दयालराम, मनीष भाणु के साथ नागौर से गोरधन दास महाराज, भवरलाल वैष्णव, भागचन्द, ओम वैष्णव, जगदीश, मिरजास से रतनदास वैष्णव, नेमीचन्द के साथ ही महिला सदस्यों में कमला परमा शारदा शारदा रामेश्वरी सन्तोष मुन्नी बाऊ सुन्दर मजुला निशा गीता सरस्वती आदि शामिल रहै ।

मान्यता क्रमांक- 6/20/250/2014-TC

P.Code - P1204

NCVT & QCI द्वारा मान्यता प्राप्त

विकल्प ITI

ADMISSION OPEN

प्रवेश प्रारम्भ

निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान कुचामन सिटी

ट्रेड	अवधि	योग्यता
इलेक्ट्रशियन	2 वर्ष	न्यूनतम 10 वीं
डीजल मैकेनिक	1 वर्ष	न्यूनतम 10 वीं
फायर एण्ड सैफ्टी	1 वर्ष	न्यूनतम 12 वीं

web: www.vikalp education group.com
web: vikalpiti.in : E-mail: vikalpiti@gmail.com

पता: उत्तरी गेट कृषि मण्डी, कुचामन सिटी

9413436721, 7296882197, 9828064138

घीसे-पीटे लोग पार्क में अगरबत्तियां जलाकर विकास कराते थे

1952 से जो काम नहीं हुए वो मैने सिर्फ साढे तीन साल में करवा दिए : महेन्द्र चौधरी

हजारों लोगो की मौजूदगी में रखी गई भव्य तेजा सर्किल की नींव

- अपने 60 मिनट के भाषण में महेन्द्र चौधरी ने भाजपा व आरएलपी को जमकर धोया
- कहा, कुछ लोग लाश पर मंच सजाते है परन्तु महेन्द्र चौधरी विकास का मंच सजाता है

सद्दाम रंगरेज

कुचामनसिटी(नागौर डेली न्यूज) : 'साम्प्रदायिकता फैलाने वालों व झूठी राजनीति करने वालों को नावां तहसील कभी नहीं अपनाती। नावां में हुए जयपाल पुनिया हत्याकांड मामले में जनता को बरगलाया गया लेकिन जनता ने झूठों का साथ नहीं दिया।' राजस्थान विधानसभा में उपमुख्य सचेतक व स्थानीय विधायक महेन्द्र चौधरी ने सैकड़ों की संख्या में उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते समय अपने धुर विरोधियों को ललकारते हुए यह बात कही। मौका था शुक्रवार को कुचामन के सीकर रोड पर गौशाला के पास बन रहे भव्य तेजा सर्किल के नींव की मूर्हत के कार्यक्रम का। महेन्द्र चौधरी ने अपने 60 मिनट के ओजस्वी भाषण में विपक्ष को खूब खरी-खोटी सुनाई। उन्होंने कहा कि 22 साल पहले छात्र राजनीति से आने वाला महेन्द्र चौधरी 36 कौम का वोट लेकर राजस्थान यूनिर्वसिटी में जाट समाज का पहला अध्यक्ष बना।

उन्होंने कहा कि कुछ लोग लाश पर मंच सजाते है परन्तु महेन्द्र चौधरी विकास का मंच सजाता है। उन्होंने कहा कि नावां में मेरे मां-बाप पर भाषण दिया गया। हनुमान बेनीवाल व विजयसिंह चौधरी के पिता भी एमएलए थे और मेरे पिताजी भी एमएलए थे, लेकिन जो शब्द मेरे पिता के लिए लिए गए वो वो संस्कार मेरे अंदर नहीं है। नावां में बमुश्किल 100-50 लोग इकट्ठे नहीं हुए। बाहर से लोग बुलाने पड़े। हरीश कुमावत को अनशन पर बैठाया गया। राजनीति में हरीश कुमावत को यहां कुछ देते नहीं। नावां में आमरण अनशन पर बैठा दिया। कुमावत समाज को बरगलाने के लिए उनको मोहरा बनाया गया। कुमावत नौजवान व बुर्जुग समझ चुका है।

कभी किसी को सताया नहीं, यही महेन्द्र चौधरी की पहचान

चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कहते है कि हर गलती कीमत मांगती है। अपराध कोई भी करें अपराधी-अपराधी ही है। किसी का रिश्तेदार अपराध करता है और अखबारों पर मुख्य सचेतक पर हत्या का मुकदमा दर्ज छपता है तो दुख होता है। उन्होंने कहा कि उनके यहां 1 हजार बीघा जमीन है। घर में सभी ने राजनीति की है। यूनिवर्सिटी अध्यक्ष बनने के बाद भी कभी कोई कब्जा नहीं किया। कोई गलत काम नहीं किया। यही महेन्द्र चौधरी की पहचान है। उन्होंने कहा कि सबसे अधिक कानून व्यवस्था सुव्यवस्थित उनके राज में ही रही है। रश्मि हत्याकांड आजतक नहीं खुला। उस समय तत्कालीन विधायक व पूर्व विधायक क्यों नहीं बैठे धरने पर। नावां विधानसभा में माहौल खराब करने की कोशिश की जा रही है।

दाढी रखने पर मैं गुंडा हूं तो देश का प्रधानमंत्री, गृहमंत्री व सांसद भी गुंडा

चौधरी ने कहा कि कुछ लोग कहते है कि महेन्द्र चौधरी चेहरें पर दाढी दखता है इसलिए गुंडा है तो मैं यह पूछना चाहता हूं कि देश का प्रधानमंत्री, गृहमंत्री व नागौर सांसद भी दाढी रखता है तो वे क्या है फिर ? महेन्द्र चौधरी ने कहा कि पहले नागौर ही नागौर में काम होते थे। अब कुचामन उपतहसील से तहसील, तहसील से एसडीएम, एडीएम सब बन गए। उन्होंने जाट समाज के लोगो से कहा कि आप तो शानदार सर्किल बनाओ। शानदार रोड़ भी कुछ समय में बनकर तैयार हो जाएगी। जो मैंने मुख्यमंत्री को लिखकर दिया वो मुख्यमंत्री ने यहां खोल दिया। वर्ष 1952 से जो काम नहीं हुए वो मैने सिर्फ साढे तीन साल में करवा दिए। कोई काम बाकी नहीं दिखता मुझे।

फाडी ठोक दूंगा जैसे भाषण नहीं पब्लिक विकास चाहती है

बस स्टैण्ड अच्छा बना इसमें कोई दो राय नहीं। ये घीसे-पीटे लोग उसी पार्क के अंदर अगरबत्तियां जलाकर जिला बनाते थे। पूरी दोब को जला दिया। किसी भी समस्या का समाधान राज निकालेगा। उन घीसे-पीटे लोगो के पास कोई सामान नहीं है। अपनी टिकटों की पैरवी कर रहे हैं। इसी विजयसिंह चौधरी ने भाषण दिया था। फाडिया ठोक दूंगा। कितने को ठोकेगा। पब्लिक विकास चाहती है। गांव के लोगो ने ये तय कर लिया जब मतदान करेंगे तो महेन्द्र चौधरी के पक्ष में मतदान करेंगे।

कुचामन को चमन कर देंगे

महेन्द्र चौधरी ने कहा कि पहले उन्हें 25 हजार वोटों में से सिर्फ यहां कुचामन शहर के लोकल 1500 वोट मिलते थे। आज हमने सत्ता बना दी। काम किया है तो महेन्द्र चौधरी ने किया। कुचामन को चमन कर देंगे। सीवरेज पानी की पाइप लाइन डल रही है। गांव-गांव, ढाणी-ढाणी में पानी की व्यवस्था करेंगे। नावां तहसील के घर-घर में पानी लगाऊंगा। उन्होंने सांसद हनुमान बेनीवाल पर चुटकी लेते हुए कहा कि टोल मुक्त करने की घोषणा की थी, परन्तु हुआ कुछ नहीं। डिफेंस वाले परेशान है बेनीवाल सांसद है उन्हें पार्लियामेंट में चिल्लाना चाहिए। उन्होंने बेनीवाल को तुम जहां बैठते हो उसकी भी बुराई करते हो। सीआर चौधरी को कहा था कि ये आधा महिला-आधा पुरूष है। एक एमपी द्वारा ये शब्द शोभा नहीं देते। और कल वो उसके साथ धरने पर बैठे थे।

हर कौम राष्ट्रवादी है, राष्ट्रवाद का सर्टिफिकेट बांटना बंद करें फर्जी राष्ट्रवादी : दलपतसिंह गच्छीपुरा

सामाजिक कार्यकर्ता दलपतसिंह गच्छीपुरा ने अपने उद्बोधन में कहा कि महान पूर्वजों को जाति-पांति में ना बांटा जाए। वे 36 कौम के है। जाति में बांटकर उनका कद छोटा ना करें। लोग प्रवचन देते है परिणाम नहीं देते। महेन्द्र चौधरी ने नागौर जिले का परचम जयपुर में लहराया। वे तब भी अपराधी नहीं थे जब नासमझ थे। आजतक उन पर कोई ब्लैम नहीं लगा। विकास के लिए विनाश को मत अपनाओ। खूब जातिवाद करों लेकिन जातिवाद को क्राइट एरिया होता है। जाति के लोगो को पढ़ाओ, उनकी शादी करवाओ, गरीब को मेडिकल उपलब्ध करवाओ खूब जातिवाद करो लेकिन अपने बच्चों को नशेड़ी, अम्लची बत बनाओ। समाज को गर्त में डालने वालों से दूर रहो। गच्छीपुरा ने कहा कि आप किसी के प्रतिस्पद्धि हो सकते हो उसे दुश्मन क्यों मानते हो। आज कुचामन जिला की पात्रता हासिल की है तो सिर्फ महेन्द्र चौधरी की बदौलत। महेन्द्र चौधरी परिणाम देने वाला है इंसान है यदि ये कम बोलते है इसका मतलब ये नहीं कि वह कायर है। भगवान बुद्ध व महावीर भी कम बोलते थे लेकिन वे बहुत बहादुर थे। कुचामन की शांति भंग मत होने दो। शिक्षा, स्वास्थ्य व भाईचारा जहां होता है वहां विकास होता है।

कुचा-ए-अमन की शांतिभंग करने का हो रहा है प्रयास, इस शहर की शांति को मत बिगड़ने देना : गच्छीपुरा -दलतपसिंह गच्छीपुरा ने अपने ओजस्वी भाषण में कहा कि कुचामन एक ऐसा कस्बा जहां जाट-राजपूत नहीं है, हिन्दू-मुसलमान नहीं है। कुचामन की शांति को मत बिगड़ने देना। कुचामन की शांति को भंग करने का प्रयास किया जा रहा है। जब तक मानवता रहेगी हमको साथ रहना होगी। दलपतसिंह गच्छीपुरा ने ठेठ देशी अंदाज में कहा कि राम-राम थाकी हिम्मत हो तो करली जो राम मत निकलबा दिज्यो। आपा राम अंश हा। राम का वंश हा। उन्होंने फर्जी राष्ट्रवादियों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि तेजाजी व पाबूजी गाय की रक्षा के लिए कुर्बानी दी। फर्जी राष्ट्रवादियों कोई मर के तो देखो। इस देश के राष्ट्रवाद में सबका योगदान है। जो आज जमीनों को खा गये, प्लास्टिक की मिलावट खोर है वो बेशर्म होकर कहते है कि वे राष्ट्रवादी है।

नावां धरने में भाड़े के ट्टटू थे जनता नहीं थी : सभापति आसीफ खान

कुचामन नगर परिषद सभापति आसिफ खान ने कहा कि विरोधी कुप्रचार कर रहे हैं। महेन्द्र चौधरी घोषणा में विश्वास नहीं रखते काम करके दिखाते है। यदि आप गलत का साथ दोगे तो आप गलत हो आप गलत के साथ नहीं तो आप गलत नहीं। नावां में भाड़े के ट्टटू थे जनता नहीं थी। सतीश पूनिया आये 3 हजार लोग जो लाएंगे उसकी टिकट मिलेगी। 4 आदमी आए सतीश पूनिया के पीछे। मुख्यमंत्री के करीब है ये हमें गर्व होना चाहिए। विभिन्न कॉलेजों के लिए किसी ने भी ज्ञापन नहीं दिया फिर भी अपने आप ये काम हुए है। लोक लुभावन बाते करते हैं।

विपक्ष को विकास रास नहीं आ रहा : उपसभापति हेमराज चावाला

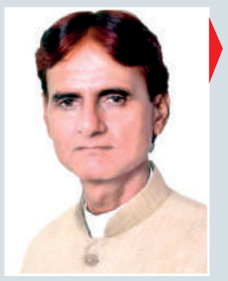

नगर परिषद कुचामन उपसभापति हेमराज चावला ने कहा कि कल तेजाजी के फ्लेक्स को हटाने बिना पीलर को गिरा देने की घटना निन्दनीय है लेकिन यह जानबूझकर नहीं किया क्योंकि ठेकेदार भी तेजाजी का भक्त था। ठेकेदार ने संज्ञान नहीं लिया ओर जेसीबी चला दी। वीडियो बनाकर वायरल की उसके खिलाफ कार्यवाही होनी चाहिए। कुचामन आज प्रदेश में ख्याति प्राप्त कर रहा। कुछ लोगो को विकास रास नहीं आ रहा। कुचामन का बस स्टैण्ड संभाग स्तरीय है। यहां के लोगो को गुमराह किया जा रहा है। भाजपा का बोर्ड में ही स्वीकृति मिली। दुकानें बनी। दुकानें निलाम हुई। जिला स्तरीय काम बिना धरना प्रदर्शन के विधायक ने करवाये है। आज तहसील के अमन-चैन को खराब करने की कोशिश की जा रही है।

उस व्यक्ति को चुनिए जो काम कराने की क्षमता रखत हो : लालाराम अणदा

सरपंच संघ के अध्यक्ष लालाराम अणदा ने कहा कि राजनीति में पार्टी नहीं उस व्यक्ति को चुनिए जो काम कराने की क्षमता रखता है। आज नावां तहसील में जितने काम हुए है वो आसान नहीं थे। कुचामन जब जिला बनेगा तब मालूम चलेगा कि जिले की ताकत क्या होती है। जाट बोल्डिंग गिरने वाली है। कमरे के लिए विद्यार्थी भटकते है। वहां तो विकास करवादो। कुचामन शांति का कस्बा है यहां शांति बनी रहनी चाहिए।

कुछ छुटभैया नेता अपनी राजनीति चमकाने के लिए दुष्प्रचार कर रहे है : सरपंच मनोज लोरा

नगवाड़ा सरपंच मनोज लोरा ने कहा कि महेन्द्र चौधरी ने सर्किल के लिए 15 लाख की घोषणा की। लोगो ने कहा कि वर्ष 2014 से घोषणाएं हो रही है लेकिन महेन्द्र चौधरी ने छह माह में सर्किल की नींव रख दी। हर तरीके से तहसील का कायाकल्प होगा। कुछ छुटभैया नेता अपनी राजनीति चमकाने के लिए दुष्प्रचार कर रहे हैं। युवा नशे की लाइन में नही जाएगा। मानव कल्याण के लिए काम करेगा। आज से तीन साल पूर्व कुचामन एक भी सरकारी कॉलेज नहीं था आज 6 खुल गए। कुकनवाली का सीएचसी जर्जर हालत में था आज पांच करोड़ का बजट स्वीकृत होकर खड़ा है। प्रत्येक घर तक पीने का पानी पहुंचाया जा रहा है। आमजन, किसान, युवा आपके साथ है।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एंव संपादक सद्दाम द्वारा नेशनल प्रिंटर्स, लोहा मंडी, डीडवाना से मुद्रित तथा घाटी कुआँ, छीपा मोहल्ला, कुचामनसिटी, जिला नागौर (राज.) से प्रकाशित। मोबाइल नम्बर 7737211664 Email-nagaurdaily0@gmail.com